an>

Title: Shri Mallikarjun Kharge made a submission regarding agitation by Anganwadi workers in many parts of the country including Karnataka due to reported move by the Union Government to reduce its share thereby attaching their salary and overburdening State Governments and also a need for increasing their honorarium.

HON. SPEAKER: Now, we take up 'Zero Hour'. Shri Kharge.

SHRI MALLIKARJUN KHARGE (GULBARGA): Madam, we want to raise one important matter. Earlier, all the Members have also given notices of Adjournment Motion. Naturally, you have rejected all the notices of the Adjournment Motion.

HON. SPEAKER: Today also I have rejected all the notices of Adjournment Motion.

12.03 hours

SUBMISSIONS BY MEMBERS

(i) Re: Agitation by Anganwadi workers in many parts of the country including Karnataka due to reported move by the Union Government to reduce its share thereby affecting their salary and overburdening State Governments and also a need for increasing their honorarium

SHRI MALLIKARJUN KHARGE (GULBARGA): It is about the situation arising out of ongoing agitation by the Anganwadi workers in many parts of the country including Karnataka due to low salaries owing to the Central Government's decision to reduce its share from 90:10 to 60:40. This has overburdened various State Governments. Further, the Union Government has not increased the honorarium for Anganwadi workers since 2011-12. मैडम, वर्ष 2011-12 से अब तक उनका जो ऑनेरेरियम है, वह इनक्रीज नहीं किया गया है। इस देश में कम से कम 36 लाख लोग काम करते हैं। आंगनबाड़ी के कम से कम 14 लाख कर्मचारी काम करते हैं और उनके सहायक व अन्य कम से कम 25 लाख कर्मचारी काम करते हैं। पहले केंद्र सरकार की ओर से उनका ऑनेरेरियम 3,000 रुपये और 1,500 रुपये फिक्स हुआ था। उसमें जो रेश्यो था, जिसमें 90 प्रतिशत भारत सरकार देती थी और 10 प्रतिशत राज्य सरकारें देती थीं। इस सरकार के आने के बाद उस रेश्यो को रिड्यूस कर के 60 प्रतिशत केंद्र सरकार दे रही है और 40 प्रतिशत राज्य सरकारें दे रही हैं। इससे राज्यों के बजट पर बोझा पड़ गया है और एक भारी संकट आया है। राज्य सरकारें दे भी नहीं सकतीं और मिनिमम वेजेस के तहत उनको पैसा भी नहीं मिल रहा है।

इसीलिए, खासकर कर्नाटक में कम से कम 68 हजार लोग सत्याग्रह पर हैं और पूरे देश में कम से कम 35 लाख लोग इसमें इनवोल्वड हैं। मैं आपसे विनती करता हूं कि सरकार इसे सीरियसली ले और जो पहले 90:10 का रेश्यो था, वह रेश्यो रिस्टोर करे और ऑनेरेरियम को बढ़ाए। क्योंकि एक तरफ हम मिनिमम वेजिज की बात करते हैं और उन्हें इम्पलायमैन्ट देने की बात भी कहते हैं, लेकिन उन्हें प्रोत्साहन देने के लिए उनकी प्रोत्साहन राशि नहीं बढ़ा रहे हैं। यह केन्द्र सरकार की बहुत बड़ी जिम्मेदारी है और केन्द्र सरकार को इसके लिए तैयार होना चाहिए।

दूसरी तरफ आबादी बढ़ रही है, कुपोÂषण भी बढ़ रहा है। गरीब बच्चे उचित शिक्षा पाने के लिए स्कूल जाते हैं। अगर उनकी अटेंडेन्स ठीक रखनी है तो आंगनवाड़ी वर्कर्स और मिडडे मील को इफैक्टिवली इम्पलीमैन्ट करना जरूरी है। मैं सरकार से अपील करता हूं कि इसे इमिडिएटली रिस्टोर करें। अगर ऐसा नहीं किया गया तो उनके साथ अन्याय होगा और इस देश में एक बहुत बड़ा एजिटेशन होगा। क्योंकि ये 35 लाख लोग हैं। कई स्टेट्स में 10 हजार, 15 हजार, 50 हजार और एक लाख तक लोग काम करते हैं। इस तरह से एक-एक राज्य में ये लोग बहुत बड़ी संख्या में काम करते हैं। शायद मोर ओर लैस जितने गवर्नमैन्ट सर्वेन्ट्स होते हैं, उतनी संख्या में ये लोग भी हैं या उनसे भी ज्यादा हैं। एक तरफ आप स्टेट्स को मजबूत करने और उनकी अर्थव्यवस्था को बढ़ाने की बात करते हैं और दूसरी तरफ जब आपने प्लानिंग कमीशन को अबोलिश कर दिया...

माननीय अध्यक्ष : आप कितनी सारी बातें बोल रहे हो, आपने अपना विÂषय रख दिया है।

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे : मैडम, यह मेरा विÂषय है, आपका विÂषय है, सबका विÂषय है।

माननीय अध्यक्ष : यह सबका विÂषय है।

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे : यह हर जगह है।

माननीय अध्यक्ष : आप चिंता मत करो, यह सबका विÂषय है।

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे : इसीलिए यह जरूरी है...(व्यवधान) यही लोग हर काम करते हैं, चुनाव में काम करते हैं, हर जगह जाते हैं, सैंसज में काम करते हैं। इनकी इतनी बड़ी जिम्मेदारी है, लेकिन सैलरी बहुत कम है।

माननीय अध्यक्ष : मुझे मालूम है।

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे : इसीलिए मैं आपसे विनती करता हूं कि वूमैन एंड चाइल्ड वैलफेयर के जो कंसर्न्ड मिनिस्टर हैं, वह कम से कम इसका उत्तर दें और आश्वासन दें।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : एडवोकेट जोएस जॉर्ज, श्री पी.के.बिजू, श्री एम.बी.राजेश, श्री मुल्लापल्ली रामचन्द्रन, श्री एन.के.प्रेमचन्द्रन तथा श्री शंकर प्रसाद दत्ता को श्री श्री मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा उठाए गए विÂषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।

माननीय अध्यक्ष : इसी बात के लिए आप बोल रहे हैं।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप उनकी बात से सहमत हो जाइये।

SHRI MOHAMMAD SALIM : Madam, you will appreciate that most ICDS, Anganwadi and mid-day meal workers, almost 100 per cent of them, are

womenfolk. वे कमजोर तबके से आते हैं और यह कमजोर तबकों की स्कीम है। लेकिन अगर वे खुद कुपोÂाण के शिकार होंगे। आप सब सैंक्शंस की इनकम रेज करने की बात कर रहे हैं तो ये जो स्कीम वर्कर्स हैं, आई.सी.डी.एस. वर्कर्स हैं, इनके ऑनरेरियम को बढ़ाने की जिम्मेदारी सरकार को लेनी पड़ेगी, इस मांग का मैं समर्थन कर रहा हूं।

रसायन और उर्वरक मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्री (श्री अनन्तकुमार): अध्यक्ष महोदया, खड़गे साहब ने आंगनवाड़ी वर्कर्स और हैल्पर्स के बारे में बहुत विस्तार से बात रखी। इसमें केन्द्र सरकार और प्रदेश सरकार का शेयर होता है। केन्द्र सरकार का तीन हजार रुपये का शेयर होता है और प्रदेश सरकार अपने शेयर को बढ़ा सकती है। आज कर्नाटक में आंगनवाड़ी वर्कर्स का जो एक जन-आंदोलन चल रहा है, वहां की प्रदेश सरकार ने आंगनवाड़ी वर्कर्स और हैल्पर्स को जितना पैसा देना चाहिए, वह उतना नहीं दे रही है, इसके कारण वहां आंदोलन चल रहा है। ...(व्यवधान) लेकिन खड़गे साहब ने उसे तोड़-मरोड़ कर यहां पेश करने की कोशिश की है। ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप उनकी पूरी बात सुन लीजिए, यह ठीक नहीं है, हल्ला मत कीजिए। पहले उनकी पूरी बात सुन लीजिए, आप बैठिये।

â€¦(व्यवधान)

श्री अनन्तकुमार : आप सुनने का धैर्य रखिये। ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आपको क्या मालूम है, आप बैठिये।

श्री अनन्तकुमार : मैडम, 2015-16 में 362 करोड़ रुपये आई.सी.डी.एस. जनरल के लिए कर्नाटक राज्य के लिए रिलीज किये गये। लेकिन कर्नाटक प्रदेश सरकार ने अपने स्टेटमेंट ऑफ एक्सपेंडीचर में, सन् 2015-16 में, 2011 करोड़ रूपये सैंट्रल शेयर दिखाया है, तो कर्नाटक राज्य सरकार को केंद्र सरकार ने पत्र लिखा और उनसे सूचना प्राप्त करने के लिए कार्यवाही शुरू की। डेढ़ सौ करोड़ रूपये की मिसिंग कैसे हो रही है, वह पैसा कहां गया, ऐसा कर्नाटक सरकार से पूछा गया। ...(व्यवधान) जो पैसा भारत सरकार ने दिया। ...(व्यवधान) मैं आपको बता रहा हूँ न। ...(व्यवधान)

SHRI MALLIKARJUN KHARGE : He is misleading. ...(*Interruptions*)

SHRI ANANTHKUMAR: I am not misleading on anything. Madam, I am authenticating it with papers and placing them before you. ...(*Interruptions*)

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे : मैडम, 90 प्रतिशत केंद्र सरकार देने वाली थी, 10 प्रतिशत राज्य सरकार का था। ...(व्यवधान) यह सब *â€¦** है। ...(व्यवधान)

HON. SPEAKER: This cross-questioning will not go on record. यह कोई तरीका नहीं है।

â€¦(व्यवधान)

श्री अनन्तकुमार : मैडम, जो डेढ़ सौ करोड़ रुपये उनको भेजा गया था, वह कहां खर्च हुआ है, एक्सपेंडीचर की डिटेल्स, उसके आंकड़े अब तक कर्नाटक प्रदेश सरकार ने नहीं दिए हैं। ...(व्यवधान) इतना ही नहीं है, मैं एक और आंकड़ा देना चाहूंगा। ...(व्यवधान) मैडम, हमारे विपक्ष के नेता ने अभी-अभी जो उद्गार निकाला *â€¦ * यह अनपार्लियामेंट्री है। ...(व्यवधान) मैं इतना ही कहना चाहूंगा। ...(व्यवधान) मैडम, मैं यह भी कहना चाहूंगा कि उत्तराखण्ड, गोवा, तमिलनाडु, तेलंगाना, त्रिपुरा आदि कई प्रदेश सरकारों ने आंगनवाड़ी वर्कर्स को, जितना राज्य का शेयर है, उससे अधिक पैसा ये सभी प्रदेश दे रहे हैं। यदि कर्नाटक की *â€¦ * को आंगनवाड़ी वर्कर्स के बारे में रंच भर भी संवेदना है, तो जितना भारत सरकार तीन हज़ार रूपये दे रहे हैं, उसके बराबर, 50औ, तीन हज़ार रूपये वे भी दे सकते हैं। ...(व्यवधान) लेकिन उन्होंने यह नहीं किया। ...(व्यवधान) लेकिन सिर्फ तीन हज़ार रूपये ही वे दे रहे हैं। इस बजट में भी कोई भी बढ़ोत्तरी नहीं की गई है। मैं आपके सामने एक और आंकड़ा रखना चाहूंगा, क्योंकि बहुत लंबी बात हमारे श्री मल्लिकार्जुन खड़गे साहब ने की है। कर्नाटक में जितने आंगनवाड़ी सेविकाओं को भर्ती करना चाहिए, यानि 65911 आंगनवाड़ी वर्कर्स का सैंक्शंड पोस्ट भारत सरकार से है, मैं माननीय खड़गे साहब से पूछना चाहता हूँ कि क्या आपने सभी पदों की भर्ती कर ली है? ...(व्यवधान) क्या कर्नाटक में बेरोज़गारी नहीं है? क्या काम नहीं है? लेकिन आपने भर्ती नहीं की है। आपने सिर्फ 63186 आंगनवाड़ी वर्कर्स को भर्ती किया है, इसलिए अभी भी 2700 आंगनवाड़ी वर्कर्स की जगह खाली है। मैं यह भी उनको बताना चाहूंगा। ...(व्यवधान) इसलिए माननीय खड़गे जी आप आंगनवाड़ी वर्कर्स के बारे में घड़ियाली आँसू न बहाएं। आँगनवाड़ी वर्कर्स के साथ मोदी सरकार है। उनकी बीमा योजना के बारे में, उनके बच्चों की स्कॉलरशिप के बारे में, हर चीज़ के बारे में, पिछले ढाई सालों में काफी काम किया है और करते रहेंगे। यह मैं कहना चाहूंगा। ...(व्यवधान)

HON. SPEAKER: Shri N.K. Premachandran â€¦

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : बार-बार यह नहीं होता है। लिखित में नहीं पढ़ना है।

â€¦(व्यवधान)

HON. SPEAKER: Nothing will go on record.

Shri N.K. Premachandran, please continue.

*â€¦(Interruptions) â€¦**

माननीय अध्यक्ष : यह नहीं चलेगा।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : बार-बार यह नहीं होता है।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : प्रेमचन्द्रन जी, क्या आपको नहीं बोलना है?

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : यहाँ यह चर्चा नहीं हो रही है। आप बैठिए।

â€¦(व्यवधान)

SHRI N.K. PREMACHANDRAN (KOLLAM): Madam, my 'Zero Hour' submission is in respect of ...(*Interruptions*)

HON. SPEAKER: Nothing is going on record. आप क्यों बोल रहे हैं? आप तकलीफ मत उठाइए। Nothing is going on record.

â€¦(Interruptions)â€¦ *

HON. SPEAKER: Pramachandran ji, you do not want to raise the matter.